किशोरी के बयान पर पहले जेल फिर बेल

युवक पर लगाया था छेड़छाड़ पीटने और काटने का आरोप

164 के बयान में कहा मां ने पीटा और काटा

कुणाल कश्यप

पूर्वी दिल्ली, (पंजाब केसरी): ईस्ट डिस्ट्रिक्ट के कल्याणपुरी इलाके से एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें जिस 16 वर्षीय किशोरी के बयान पर 19 वर्षीय युवक को जेल की हवा खानी पड़ी। अंत में उसी किशोरी के बयान पर युवक जेल से बाहर भी आ गया।

दरअसल, किशोरी ने गत 16 अप्रैल को थाने में युवक के खिलाफ घर में घुसकर छेड़छाड़ करने, पीटने और दांत से काटने का केस दर्ज कराया था।

पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था, वहां से उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। मगर, इस मामले में जब किशोरी ने मजिस्ट्रेट के सामने 164 का बयान दिया तो सब हैरान रह गए। किशोरी ने बताया कि उसे युवक ने नहीं, बल्कि उसकी मां ने ही पीटा और काटा था। इस आधार पर आरोपी के अधिवक्ता ने कोर्ट में अपने मुवक्किल की बेल की अर्जी लगाई थी। इस अर्जी पर सुनवाई करते हुए कड़कड़डूमा कोर्ट के स्पेशल जज पॉक्सो (ईस्ट) मनीष गुप्ता ने आरोपी को जमानत दे दी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मां को न बताया जाए मेरा बयान

आरोपी के अधिवक्ता आर.के चौधरी ने बताया कि किशोरी और युवक एक ही इलाके में परिवार सहित रहते हैं। किशोरी ने मजिस्ट्रेट को दिए बयान में बताया कि घटना के समय वह आरोपी युवक से फोन पर चैटिंग कर रही थी। इसी बात पर उसकी मां ने उसे पीटना शुरू कर दिया था। इस दौरान मां ने उसके बाल नोंच डाले यहां तक कि उसके शरीर पर दांत से काट भी लिया था। इसके बाद युवक के खिलाफ झूठी शिकायत दिलवा दी थी। इस दौरान किशोरी ने मजिस्ट्रेट से ये भी कहा कि उसके इस बयान के बारे में उसकी मां को न बताया जाए। बयान देने के बाद किशोरी ने ही आरोपी युवक के भाई को फोन कर बताया कि उसने 164 के बयान में सारा सच मजिस्ट्रेट को बता दिया है। वह अपने भाई की बेल अर्जी कोर्ट में लगा दे। गत बुधवार युवक को कोर्ट से जमानत मिल गई।

एफआईआर में ये था बयान

एफआईआर में किशोरी का ये बयान था कि गत 16 अप्रैल की शाम किशोरी जब घर में अकेली थी, उसी दौरान युवकी उसके घर में घुस आया और उसे पीछे से पकड़ लिया। वह किशोरी से कहने लगा कि वो उसे अच्छी लगती है और वह उससे शादी करने चाहता है। किशोरी ने हां नहीं कि तो युवक ने उसी पीटना शुरू कर दिया। डंडे से पिटाई करने के बाद युवक ने किशोरी के शरीर पर दांत से काट भी लिया। शोर मचाने पर उसकी दीदी व अन्य परिजन आए और उन्होंने मामले की सूचना पुलिस को दी।

प्रॉपर्टी छिनने के डर से रची साजिश

भतीजे ने चाचा को मौत के घाट उतारा

बिजली की तार से गला घोंटकर की गई हत्या | मृतक के जेब से मिली डायरी से हुई उसकी पहचान | पुलिस द्वारा सख्ती दिखाने पर किया इकबाले जुर्म

पश्चिमी दिल्ली,(पंजाब केसरी): प्रॉपर्टी को लेकर कलियुगी भतीजे ने चाचा की गला घोटकर हत्या कर शव को नहर में फेंक दिया। शव नहर में बहकर हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास आकर जाल में फंस गया था। समयपुर बादली पुलिस ने हत्या का मामला दर्ज कर लिया था। जांच के बाद पुलिस ने आरोपी को सोनीपत से गिरफ्तार कर लिया। मृतक सोनीपत का रहने वाला था। मृतक ने अपने भतीजे के नाम से सोनीपत में एक प्रॉपर्टी ले रखी थी। पुलिस ने आरोपी संजय (40) के कब्जे से वारदात में इस्तेमाल कार बरामद कर ली है।

बाहरी उत्तरी जिले के डीसीपी गौरव शर्मा के अनुसार, गत 22 अप्रैल को हैदरपुर वाटर ट्रीटमेंट प्लांट के पास एक व्यक्ति का शव मिला है। उसका बिजली की तार से गला घोटकर हत्या की गई थी। पुलिस को मृतक के जेब से एक पॉकेट डायरी मिली। जिससे उसकी पहचान गांव गढ़ी ब्राह्मण सोनीपत निवासी सुंदर के रूप में हुई। इधर पुलिस को जांच में पता चला कि सुंदर पिछले 15 साल से अपनी पत्नी और बच्चों से अलग रह रहा था।

वह अपनी पैतृक जायदाद को बेच चुका था। सुंदर ने सोनीपत में अपने भतीजे संजय (40) के नाम से एक प्रॉपर्टी खरीद रखी है। संजय गांव में परचून की दुकान चलाता था। जांच में मिले सुराग और तकनीकी जांच के आधार पर पुलिस को संजय पर शक हुआ। पुलिस ने संजय को हिरासत में लेकर पूछताछ की। पहले तो हत्या की बात से इनकार करता रहा, लेकिन सख्ती दिखाने पर उसने बताया कि मृतक ने सोनीपत में उसके नाम से प्रॉपर्टी खरीद रखी थी। उसे डर था कि वह उस प्रॉपर्टी को वापस ले सकता है या फिर उसे बेच सकता है। इसलिए उससे पीजीआई रोहतक में दाखिल एक रिश्तेदार से मिलने के बहाने सुंदर को सेंट्रो कार पर बैठाकर ले गया और पानी पीने के बहाने मुनक नहर के पास बिजली की तार से गला घोंटकर हत्या कर दी। आरोपी की पहचान छुपाने को लेकर शव को नहर में फेंक दिया। आरोपी संजय शादी-शुदा है और उसके तीन बच्चे हैं।

फर्जीवाड़े की शिकायत के लिए फुटबाल बना युवक

पश्चिमी दिल्ली,(पंजाब केसरी): राजधानी दिल्ली में पुलिस अपने काम के प्रति कितनी मुस्तैद है, इसका जीता-जागता उदाहरण बाहरी जिले के दो थानों की कार्रवाई को देखने के बाद साफ पता चलता है।

क्योंकि यहां ठगी की शिकायत दर्ज कराने के लिए पीड़ित को दो थानों के बीच फुटबाल बनना पड़ा। देर रात पीड़ित को वरिष्ठ अधिकारियों से शिकायत करने की घुड़की देने पर आखिरकार 'राज पार्क' थाना ने पीड़ित से शिकायत ले ली, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई हैं। जानकारी के अनुसार, अरूण कुमार परिवार के साथ सी-ब्लाक मंगोलपुरी में रहता है। वह एक प्राइवेट कंपनी में काम करता है। पीड़ित के अनुसार, उसका अकाउंट एक्सिस बैंक में है। पीड़ित अरूण कुमार के मुताबिक, रविवार दोपहर उसके मोबाइल पर सैलरी अकाउंट से 30 हजार रुपए निकलने का मैसेज आया। पीड़ित ने तुरंत बैंक में संपर्क कर अकाउंट ब्लॉक करवाया और मामले की शिकायत लेकर पहले राज पार्क थाने में गया, जहां पुलिस ने उसे हिदायत देकर उसे पश्चिम विहार थाने रवाना कर दिया। पीड़ित शिकायत लेकर पश्चिम विहार थाने पहुंचा तो वहां कि पुलिस ने पीड़ित का समझाया कि से आप रहते मंगोलपुरी हो तो मामला भी दर्ज वहीं होगा। पीड़ित फिर इधर दोबारा राज पार्क आया, जहां फिर उसे पुलिसकर्मियों ने टरका दिया। पीड़ित पिछले पांच दिनों से लगातार दोनों थानों के चक्कर काट रहा है,लेकिन पुलिस ने उसकी एक नहीं सुनी।

बैंक खाते से 30 हजार निकलने की शिकायत दर्ज कराने गया था पीड़ित

जेएनयू: दो पदों पर शिक्षकों की भर्ती पर हाईकोर्ट रोक

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली हाईकोर्ट ने जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू)में दो पदों के लिए शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। इन पदों को लेकर याचिका दायर की गई थी कि यह पद आरक्षण श्रेणी के लिए नहीं है और इसलिए आवेदन करने के लिए कार्यकारी परिषद ने उन्हें अयोग्य करार कर दिया।

जस्टिस सुरेश कुमार कैत ने याचिका पर सुनवाई करते हुए भर्ती प्रक्रिया पर रोक लगा दी है। याचिका में जेएनयू ने ईडब्ल्यूएस कोटे के तहत 10 आरक्षित सहित अस्सिटेंट प्रोफेसरों के 97 पदों के लिए आवेदन निकाले थे, लेकिन इन आवेदनों में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए कोई आरक्षण नहीं था। इसको ही चार उम्मीदवारों द्वारा हाईकोर्ट में चैलेंज किया था। कार्यकारी परिषद ने इन चार व्यक्तियों को गैर ईडब्ल्यूएस श्रेणी का बताया था।

मरीजों की सुरक्षा से खिलवाड़ कर रही सरकार

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): बैचलर ऑफ डेंटल साइंस (बीडीएस) कर चुके छात्रों के लिए ब्रिज कोर्स करवाने से मरीजों की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। नीति आयोग के इस फैसले के विरोध में दिल्ली मेडिकल एसोसिएशन (डीएमए) ने अभियान चलाने का फैसला लिया है। इस संबंध में डीएमए अध्यक्ष डॉ. गिरीश त्यागी ने कहा कि आयोग का यह फैसला मरीजों के स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। महज एक ब्रिज कोर्स के माध्यम से डेंटल को अनुभवी डाक्टर कैसे बनाया जा सकता है। सरकार को

चाहिए कि वह डेंटल करने वाले युवाओं को जॉब उपलब्ध करवाएं। सरकार डाक्टरों के लिए जॉब नहीं बना रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का यह पक्ष कि देश में डाक्टरों की संख्या कम है, यह भी गलत है। देश के 494 मेडिकल कॉलेज में 63250 एमबीबीएस ग्रेजुएट व मेडिकल में पीजी करने वालों युवाओं की संख्या 23829 है। सरकार को पहले इनके लिए जॉब की व्यवस्था करनी चाहिए।

वहीं डीएमए के सचिव डॉ. अरविंद चोपड़ा ने कहा कि ब्रिज कोर्स और मिडटर्म कोर्स के माध्यम से डेंटल या नर्स को इस लायक नहीं बनाया जा सकता हो मरीजों की जरूरत है। ऐसा करना सीधे तौर पर उनके स्वास्थ्य से खिलवाड़ है। डीएमए इसका विरोध करता है। महज एक कोर्स के माध्यम से डेंटल को डाक्टरों के समकक्ष नहीं बनाया जा सकता। ऐसे में चाहिए कि सरकार पहले योग्य डाक्टरों को प्राथमिकता दे।

संक्षिप्त समाचार

जर्जर चौपाल बनी ग्रामीणों के लिए मुसीबत

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): मुंडका विधानसभा के गढ़ी रिढोला गांव में वर्षो पुराने जर्जर चौपाल की हालत ने लोगों को परेशान कर दिया है। गांव की समस्याओं पर चर्चा और बैठकों के आयोजन के लिए बनाए गए इस चौपाल की इमारत जर्जर होने लगी हैं। इसके दीवारों में दरारें भी आने लगी हैं। दीवार के बीचोबीच से प्लास्टर झड़कर गिरने लगा है। जिसके चलते चौपाल के आसपास के लोगों में भय का माहौल है। क्योंकि यह कभी भी गिर सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि जनप्रतिनिधि व सिचाई एव बाढ़ नियंत्रण विभाग के अधिकारी को कई बार शिकायत की है, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की गई है। चौपाल के आसपास सुबह और शाम के वक्त काफी लोग इकट्ठा होते हैं। इसके आसपास बच्चे भी खेलते हैं, इससे डर और भी बढ़ जाता है। लोगों की मांग है कि इस चौपाल का नवनिर्माण कराएं। इससे लोगों की सुविधाओं में बढ़ोतरी हो और इस समस्या से भी छुटकारा मिल जाए, लेकिन खस्ताहाल चौपाल के स्थान पर नवनिर्माण तो दूर इसकी मरम्मत भी नहीं की जा रही है। गांव के सामाजिक कार्यकर्ता महेंद्र सिंह का कहना की प्रशासन से इस समस्या को लेकर कई बार अवगत कराया गया है, लेकिन उनके कान पर जूं भी नहीं रेंगी।

ग्रीन बेल्ट कूड़ाघर में तब्दील

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): रोहिणी सेक्टर-24 की ग्रीन बेल्ट कूड़ाघर में तब्दील हो चुकी है। प्रशासिनक लापरवाही के चलते दो किलोमीटर तक बाउंड्री पर कूड़े के ढेर लगे हुए हैं। स्थानीय लोगों द्वारा कई बार शिकायत करने के बावजूद कोई एक्शन नहीं लिया गया। मुख्य सड़क पर जगह-जगह कूड़े के ढेर लगे हुए हैं, जिस पर आसपास के आवारा जानवर झुंड बनाकर वहां इकट्ठा हो जाते हैं। कई बार इनमें लड़ाई होती है तो सड़क पर जाम कि स्थिति पैदा कर देते है, जिस वजह से सड़क से गुजरने वाले लोगों और वाहन चालकों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। कई बार गायों की लड़ाई की वजह से राहगीरों को चोट भी आई हैं, जिसके बाद भी प्रशासन इस ओर कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

पिंक लाइन मेट्रो ने यात्रियों को रुलाया

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): बढ़ते तापमान के साथ दिल्ली मेट्रो यात्रियों को लगातार परेशान कर रही है। शनिवार को भी दिल्ली मेट्रो ने यात्रियों को रुलाया। दोपहर के समय पिंक लाइन पर शिव विहार से मौजपूर के बीच मेट्रो सेवा बाधित रही। यात्रियों ने बताया कि इन मेट्रो स्टेशन के बीच मेट्रो काफी धीमी गति से चली। इसका असर पूरे रूट पर देखने को मिला। वहीं मेट्रो प्रशासन ने बताया कि तकनीकी खराबी के कारण शिव विहार से मौजपूर के बीच मेट्रो सेवा काफी धीमी गति से चली। उन्होंने कहा कि यात्रियों को कुछ समस्या जरूर हुई लेकिन बाद में सेवा में सुधार कर लिया गया।

धूप में खड़े होकर बस का इंतजार करते लोग

पश्चिमी दिल्ली, (पंजाब केसरी): नांगलोई सुल्तानपुरी क्रॉसिंग बस स्टैंड पर लोगों को तपती धूप में खड़े होकर बस का इंतजार करना पड़ता है। बता दें कि मेट्रो के निर्माण के बाद बस शेल्टर के ढांचे को यहां से हटा दिया गया है। तब से अब तक यहां पर बस स्टैंड का निर्माण नहीं किया गया है। इससे यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। लोग धूप में खड़े होकर बस का इंतजार करते हैं। सबसे ज्यादा परेशानी महिलाओं, बुजुर्गो व बच्चों को होती है। लोगों का कहना है कि मेट्रो को निर्माण तो हो गया, लेकिन अब तक शेल्टर को यहां नहीं लगाया है। बस का इंतजार कर रहे सिकंदर ने बताया कि सालों से यही हालत बनी हुई है। सर्दी में तो ज्यादा कठिनाई नहीं होती थी, लेकिन अब धूप में खड़े होकर बस का इंतजार करना काफी दिक्कत भरा होता है।

अस्पताल में महिला नर्सिंग अर्दली घायल

पश्चिमी दिल्ली,(पंजाब केसरी) बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी स्थित संजय गांधी अस्पताल की बच्चों के इमरजेंसी वार्ड में कार्यरत महिला नर्सिंग अर्दली अक्सीजन सिलेंडर गिरने से घायल हो गई। घायल की पहचान अंजू (40) के रूप में हुई है। अस्पताल सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार शाम को अंजू की ड्यूटी पर थी। उसी दौरान उसे स्टोर से अक्सीजन सिलेंडर लाना था। सिलेंडर लाने के दौरान गिरने से उसके पैर में फैक्चर हो गया। सूत्रों के मुताबिक, उसे तत्काल प्राथमिक उपचार के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई।

पंखे पर लटकी मिली अकाउंटेंट की लाश

दक्षिणी दिल्ली, (पंजाब केसरी) :द्वरका इलाके के विकास विहार इलाके में एक अकाउंटेंट ने पंखे से फंदा लगाकर अपनी जान दे दी। मृतक की पहचान सन्नी सिंह(29) के रूप में हुई है। कमरे से बदबू आने पर शनिवार सुबह पड़ोसी ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना के बाद मौके पर पहुंची द्वारका नॉर्थ थाना पुलिस ने कमरे का गेट तोड़कर अंदर प्रवेश किया, जहां सन्नी सिंह पंखे से लटका पाया गया। प्राथमिक जांच के बाद सामने आया है कि सन्नी ने 25 अप्रैल की रात को फांसी लगाई थी और तीन दिन से उसका शव पंखे से लटका हुआ था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। पुलि को मौके से किसी तरह का कोई सुसाइड नोट बरामद नहीं हुआ है। शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

तेज गर्म हवाओं ने छीना दिल्ली का चैन

राजधानी में शनिवार को पारा 41 डिग्री के पार पहुंच गया, जिसके चलते शनिवार का दिन बेहद गर्म तो रहा, वहीं पूरे दिन चली धूलभरी आंधी ने लोगों को घर से बाहर न निकलने के लिए मजबूर कर दिया। वहीं जो बाहर थे उन्हें तेज गर्म आंधी के थपेड़ों का सामना करना पड़ा। इससे बचने के लिए किसी ने दुपट्टे का साहारा लिया तो किसी ने छाते का पर तेज आंधी में किसी की न चली। दिल्ली वासियों को मौसम की मार से कोई नहीं बचा सका। वहीं रविवार को भी तेज गर्म हवाएं चलने का अनुमान है। फोटो: श्रीकांत सिंह

सिंगल बेंच के आदेश को अब डबल बेंच में चुनौती

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली हाईकोर्ट में केद्र सरकार ने ई-सिगरेट पर प्रतिबंध के अपने आदेश को हाईकोर्ट की सिंगल बेंच के द्वारा रोक लगाए जाने के खिलाफ डबल बेंच में अपील करने की तैयारी कर ली हैं। इस संबंध में याचिका लगा दी गई है। चीफ जस्टिस राजेंद्र मेनन की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष इस मामले की सुनवाई होने की संभावना है। एक मई को मामले की सुनवाई की जाएगी। केंद्र सरकार ई-सिगरेट के अलावा हर तरह के इलेक्ट्रॉनिक निकोटिन डिलीवरी सिस्टम (इंड्स) के इस्तेमाल, उत्पादन, बिक्री और आयात पर रोक लगाने के फैसले के पक्ष में दुनिया के 30 देशों में ई-सिगरेट पर लगे प्रतिबंध को आधार याचिका में बना रही है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इसके लिए इन देशों के इंड्स पर प्रतिबंध से संबंधित कानून और आदेश का अध्ययन किया है। स्वास्थ्य मंत्रालय ने फरवरी में ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगाने की एडवाइजरी जारी की थी। इसके बाद ई-सिगरेट के व्यवसाय में लगे लोगों की अर्जी पर दिल्ली हाईकोर्ट की एकल पीठ ने प्रतिबंध पर रोक लगा दी थी। मंत्रालय की ओर से जारी एडवाइजरी के खिलाफ ई-सिगरेट कारोबार से जुड़े लोगों ने प्रतिबंध के खिलाफ ड्रग्स कंसल्टेटिव कमेटी की रिपोर्ट का हवाला देते हुए हाईकोर्ट में अर्जी दी थी। सेंट्रल ड्रग्स स्टैंडर्ड कंट्रोल ऑर्गेनाइजेशन के अनुसार ई-सिगरेट से शरीर में जो निकोटिन जाता है। इससे बच्चों, युवाओं और गर्भवती महिलाओं के स्वास्थ्य पर गंभीर प्रभाव पड़ता है।

मैत्रेयी कॉलेज ने मनाया 52वां वार्षिक दिवस

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) से संबद्ध मैत्रेयी कॉलेज ने अपना 52वां वार्षिक दिवस शनिवार को यहां मनाया। कार्यक्रम में मुख्यातिथि एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इंडिया माधवी दीवान मौजूद रहीं। कार्यक्रम के शुभारंभ में कॉलेज प्राचार्या डॉ. हरित्मा चोपड़ा ने कॉलेज की वर्षिक रिपोर्ट पढ़ी, जिसमें उन्होंने शैक्षणिक-गैर शैक्षणिक कर्मचारियों, विद्यार्थियों के साथ-साथ मैत्रेयी कॉलेज की प्रमुख उपलब्धियों का जिक्र किया। मुख्य अतिथि प्रसिद्ध एड्वोकेट एवं एडिशनल सॉलिसिटर जनरल ऑफ इण्डिया माधवी दीवान ने अपने प्रेरणादायी संबोधन में कहा कि समाज-निर्माण में महिलाओं की महती भूमिका होती है। उन्हें अपनी हर तरह की पहचान पर गर्व होना चाहिए और जीवन में मिलने वाली किसी भी चुनौती के लिए सदैव तैयार रहना चाहिए। कॉलेज के वर्तमान चेयरपर्सन प्रो. बालागणपथी देवरकोण्डा ने मैत्रेयी कॉलेज की उपलब्धियों पर प्रसन्नता जाहिर की।

तकनीकी बदलाव | डबल बंडल सर्जरी में इस्तेमाल होने वाले इंप्लांट तकनीकी में किया बदलाव

घुटनों की समस्या होगी दूर, बढ़ेगी क्षमता

फाइल फोटो

राकेश शर्मा

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): घुटनों के दर्द से परेशान लोगों को अब मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (लोक नायक अस्पताल) में काफी कम खर्च पर डबल बंडल सर्जरी का फायदा मिल सकेगा। अभी तक यहां सिंगल बंडल सर्जरी को प्राथमिकता दी जा रही थी। यह आर्मी, पुलिस सहित अन्य पेशों से जुड़े लोगों के लिए यह पूरी तरह से कारगर साबित नहीं हो रही थी। ऐसे मामलों में घुटने बदलवाने के बाद भी समस्या दूर नहीं हो रही थी। इसे देखते हुए (लोक नायक अस्पताल) कॉलेज ने इंप्लांट सर्जरी में कुछ तकनीकी बदलाव कर डबल बंडल सर्जरी पर आने वाले खर्च को सिंगल बडल सर्जरी के बराबर पहुंचा दिया है। इस संबंध में मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज में ऑर्थो डिपार्टमेंट के हेड ऑफ डिपार्टमेंट डॉ. विनोद कुमार ने बताया कि डबल बंडल सर्जरी में इस्तेमाल होने वाले इंप्लांट व अन्य में तकनीकी बदलाव किए गए हैं। स्क्रू की जगह बटन का इस्तेमाल किया जा रहा है। साथ ही मेड इन इंडिया के तहत विकसित इंप्लांट के इस्तेमाल को बढ़ावा दिया गया है, जिस कारण खर्च में काफी कमी आई है। उन्होंने कहा कि डबल बंडल सर्जरी उन लोगों के लिए ज्यादा फायदेमंद हैं जो ज्यादा फिजिकल वर्क करते हैं।

दुर्घटना से बढ़ रहे मामले... दिल्ली में सड़क दुर्घटना के कारण घुटनों में लगने वाली चोट व सर्जरी के मामले बढ़ रहे हैं। डाक्टर कुमार ने बताया कि सबसे ज्यादा मामले सड़क दुर्घटना के ही आ रहे हैं। यहां हर साल 100 के करीब सर्जरी हो रही हैं। इनमें देखने में आया है कि बाइक चलाने के दौरान नियम का पालन न करने वालों के दुर्घटना में घुटने टूट जाते हैं। इसके अलावा खान-पान के कारण हड्डियां भी कमजोर हो रही है।

हर दिन एक घंटे खेलें बच्चे

डॉ. कुमार ने कहा कि बच्चों को हर दिन कम से कम एक घंटे बाहर खेलना चाहिए। वहीं बड़ों को कम से कम एक घंटा फिजिकल वर्क करना चाहिए। यदि वह ऐसा नहीं करते तो उनकी हड्डियों में समस्या हा सकती हैं।

इंडियन इंप्लांट के लिए तैयार हो रही लैब

देश में बनने वाले इंप्लांट की गुणवत्ता सुधारने के लिए आईआईटी, दिल्ली, खड़गपुर सहित अन्य के इंजीनियरों की मदद से लैब तैयार की जा रही है। इस लैब में कूल्हे, घुटने और रीढ़ के प्रत्यारोपण में इस्तेमाल होने वाले उपकरणों की गुणवत्ता की जांच होगी। डॉ. एचएस छाबड़ा ने बताया कि देश में बनने वाले इंप्लांट अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरे नहीं उतर पाते। इसका बड़ा कारण लैब का अभाव भी है।

गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर 550 रागी सजाएंगे कीर्तन दरबार

दिनेश बेदी

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): सिखों के पहले गुरु गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व को लेकर दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) की तैयारियां जोरों पर हैं। डीएसजीएमसी की ओर से लगातार दिल्ली में प्रकाश पर्व को समर्पित गुरमत समागम व विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इस कड़ी में अब एक विशेष व विशाल कार्यक्रम होने जा रहा है। इस कार्यक्रम की खासियत गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व पर 550 रागियों द्वारा शबद कीर्तन करना होगा। कार्यक्रम के लिए जगह भी तय कर ली गई है। अगर सब चीजें ठीक रहीं तो इंडिया गेट पर ही गुरमत समागम के दौरान 550 रागियों द्वारा कीर्तन दरबार सजाया जाएगा। फिलहाल कार्यक्रम की तिथि तय नहीं की गई है, लेकिन मई माह में कार्यक्रम आयोजित किया जा सकता है। इस बारे में डीएसजीएमसी के अध्यक्ष मनजिंदर सिंह सिरसा ने बताया कि गुरु नानक देव के 550वें प्रकाश पर्व की तैयारियों में गुरमत समागमों और कीर्तन दरबार को विशेष महत्व दिया जा रहा है। इंडिया गेट में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में देश भर से 550 रागी गुरबाणी पाठ करगे। सिरसा ने बताया कि जो भी रागी कार्यक्रम में अपनी हाजिरी देना चाहते हैं, वह डीएसजीएमसी द्वारा तैयार की जा रही सूची में नाम दर्ज करवाएं।

1100 बच्चे होंगे शामिल

जानकारी के मुताबिक दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) के अधीन चल रहे गुरु हरकृष्ण पब्लिक स्कूलों (जीएचपीएस) में पढ़ने वाले लगभग 1100 बच्चे भी इस कार्यक्रम में भाग लेंगे। इसके लिए उन्हें सिख इतिहास से अवगत करवाने व गुरबाणी पाठ सिखाने संबंधी कक्षाएं दी जा रही हैं।

दो कारोबारियों में भिड़ंत, पांच घायल

पश्चिमी दिल्ली,(पंजाब केसरी): बाहरी दिल्ली के मंगोलपुरी इलाके में रुपए के लेनदेन को लेकर दो कारोबारियों के बीच भिड़ंत हो गई। दोनों पक्षों के पांच लोगों को चोट आई। मंगोलपुरी थाना पुलिस ने दो पक्षों के बयान पर क्रॉस मामला दर्ज किया। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। जानकारी के राजेश (45) परिवार के साथ वेस्ट एंक्लेव में रहते है। पुलिस को दी शिकायत में राजेश ने बताया कि वह आरडब्लूए का सदस्य है। देर शाम को वह घर के पास खड़ा था। इसी बीच अशोक अपने परिवार के साथ आया। राजेश ने अपने दिए रुपए वापस मांगे। इस पर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। राजेश का आरोप है कि अशोक ने अपने परिवार के साथ मिलकर उसके साथ बुरी तरह मारपीट की। वहीं अशोक ने पुलिस को बताया कि उनकी सुल्तानपुरी में बर्तन की दुकान है। देर शाम वह दुकान बंद करके घर लौटा तो देखा राजेश अपने दो-तीन साथियों के साथ मिलकर उसके परिवार वालों से मारपीट कर रहा है।